पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

रश्मिका ने 7 घंटे तक कूड़े के ढेर में की शूटिंग

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 86 ■ शुक्रवार, 13 जून 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

अंबरनाथ नपा चुनाव का भी बिगुल बजा

- नवंबर में होंगे चुनाव
- 2022 की प्रभाग रचना कायम रहने के आसार
- 5 वर्ष की प्रतीक्षा खत्म
- इच्छुकों के चेहरे खिले

▶▶ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद सदस्यों के चुनाव का बिगुल बज गया है. गत 5 वर्षों से चुनाव की प्रतीक्षा करने वालों के चेहरे अब खिल गए हैं. इसी वर्ष अक्टूबर के आखिरी सप्ताह अथवा नवंबर में चुनाव होंगे. प्रभाग रचना के लिए चुनाव आयोग का आदेश आ गया है. 2022 में नपा प्रभाग रचना की गई थी. वही प्रभाग कायम रहने के आसार हैं. अंबरनाथ विधानसभा में जो मतदाता सूची से चुनाव हुए हैं, उसी सूची को फेरबदल करके नए मतदाताओं के नामों का समावेश करके चुनाव लेने की प्रबल संभावना है. 2022 में प्रभाग रचना की घोषणा के बाद से ही कोविड के कारण चुनाव प्रक्रिया को रोक दिया गया था. उसके बाद ओबीसी आरक्षण का मामला न्यायालय प्रविष्ट रहा. न्यायालय ने चार महिने के भीतर चुनाव लेने का आदेश चुनाव आयोग को दिया है. अक्टूबर 20 से दीपावली त्यौहार शुरू हो रहा है. इसलिए अनुमान है कि नवंबर में चुनाव हो सकते हैं और इसी वर्ष दिसंबर में नए प्रभाग सदस्य और नगराध्यक्ष शहर की जनता को मिल जाएगा और पांच वर्षों से चल रहा प्रशासकीय राज खत्म हो जाएगा. चुनाव की घोषणा के बाद इच्छुकों में एक नया जोश दिखाई दे रहा है. पूर्व नगरसेवक भी इच्छुक हैं, लेकिन इस बार जनरल प्रभाग कम होने का प्रतिशत हो सकता है. 50 फीसदी महिलाएं, 27 फीसदी ओबीसी, एसटी, एससी प्रभाग होंगे. सभागृह में महिला सदस्य ज्यादा होंगी, जैसा कि सन 2015 से 2020 के कार्यकाल में था. इस बार वोटर ही नगराध्यक्ष का चुनाव करेंगे. इसलिए एक वोटर को तीन वोट देने पड़ सकते हैं.

नशे के कारोबार का फैला नेटवर्क

युवाओं पर संकट

पुलिस उपायुक्त परिमंडल-4 में बड़ी आसानी से उपलब्ध हो रहा है गांजा व चरस

- चाय और पान की दुकानों पर बिक रहा है नशा
- उल्हासनगर, अंबरनाथ व बदलापुर शहर के युवा इसकी चपेट में

उल्हासनगर. पुलिस उपायुक्त परिमंडल-4 के उल्हासनगर, अंबरनाथ व बदलापुर शहर में इन दिनों नशे के कारोबार ने पूरी तरह अपना जाल बिछाया हुआ है। यहां से पिछले कई महिनों में दर्जनों ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार हुए हैं बावजूद यहां पर यह कारोबार रुका नहीं बल्कि दोगुना हो गया है। शहर के युवा इसकी चपेट में आ चुके हैं लेकिन पुलिस इन तस्करों की पकड़ से दूर हैं। यह नशेड़ी इस क्षेत्र में आपराधिक घटनाओं को भी अंजाम दे रहे हैं।

अंबरनाथ तालुका के ग्रामीण इलाकों में कुछ किराना दुकानें, बदलापुर शहर में चाय और पान की दुकानें नशा बिक्री का केंद्र बन रही हैं। पिछले कुछ दिनों में मादक पदार्थ निरोधक दस्तों की शाखाओं द्वारा की गई कार्रवाई में इसका खुलासा हुआ है। ऐसा लगता है कि स्कूली बच्चे और कॉलेज जाने वाले युवा इन विक्रेताओं के मुख्य निशाने पर हैं। इस नशे के बाजार पर कैसे लगाम लगेगी? यह सवाल उठ रहा है। अंबरनाथ और बदलापुर शहरों में नशीली दवाओं की बिक्री और आपूर्ति का नेटवर्क तेजी से फैल रहा है। जोन 4 के अंतर्गत आने वाले अंबरनाथ, बदलापुर और उल्हासनगर शहरों में पिछले पांच महीनों में करीब 52 किलो गांजा और साढ़े तीन किलो नशीली दवाएं जब्त करने और विभिन्न कार्रवाई करने का रिकॉर्ड पुलिस के पास है।

इसके अलावा, इसी सप्ताह ठाणे क्राइम ब्रांच यूनिट ने अंबरनाथ तालुका में यहां से 17 लाख रुपये की एमडी जब्त की थी। उससे दो दिन पहले उल्हासनगर क्राइम ब्रांच ने अंबरनाथ से डेढ़ किलो गांजा और नशीले पदार्थ जब्त किए थे। इसके चलते अंबरनाथ और बदलापुर शहर में ड्रग रैकेट तेजी से फैल रहा है।

पता चला है कि बदलापुर शहर में चाय और पत्ती के ठेलों से ड्रग्स बेची जा रही है। पुलिस ने अंबरनाथ तालुका के हाजीमलंग के एक ग्रामीण इलाके में एक किराना दुकान से करोड़ों रुपये की ड्रग्स जब्त की थी। पुलिस से बचने और इसे आसानी से उपलब्ध कराने के लिए, किराना दुकानों, चाय और पत्ती के ठेलों से ड्रग बिक्री का रैकेट चलाया जा रहा है। शाम के बाद रेलवे ट्रैक, बदलापुर, अंबरनाथ, युवाओं को आकर्षित करने वाली नई विकसित सड़कें और ग्रामीण इलाकों में मानसून के पर्यटन केंद्रों जैसी जगहों पर युवाओं को निशाना बनाकर ड्रग्स बेची जा रही है। कम समय में अधिक पैसा कमाने के लालच में कई उच्च शिक्षित और धनी युवा भी ड्रग बिक्री में शामिल हैं।

इन शहरों में बढ़ती नशीली दवाओं की आपूर्ति और बिक्री के कारण अभिभावकों के लिए यह बड़ी चिंता का विषय बनता जा रहा है।

किसन कथोरे का दावा...

सत्ताधारी पार्टी भाजपा के विधायक किसन कथोरे ने दावा किया है कि बदलापुर में चाय और पान की टपरियों से नशीली दवाएं बेची जा रही हैं। एक कार्यक्रम में भाग लेने के दौरान मीडिया से बात करते हुए विधायक कथोरे ने कहा कि उन्होंने इन मामलों को इंगित किया है और पुलिस से इनके खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है।

पुलिस को जानकारी नहीं?

हालांकि स्थानीय पुलिस द्वारा कम मात्रा में गांजा पीने और बेचने वालों के खिलाफ नियमित कार्रवाई की जा रही है, लेकिन ठाणे और उल्हासनगर अपराध शाखाओं द्वारा गांजा और नशीली दवाओं के बड़े स्टॉक के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इसलिए, यह सवाल उठ रहा है कि ठाणे और उल्हासनगर शाखाओं की टीमों को जो जानकारी मिलती है, वह स्थानीय पुलिस तंत्र को क्यों नहीं मिलती?

गांजा तस्कर गिरफ्तार

- 400 ग्राम गांजा जब्त
- विट्ठलवाड़ी पुलिस ने की कार्रवाई
- आरोपी दो दिन की पुलिस हिरासत में

उल्हासनगर. उल्हासनगर में इस समय बड़ी मात्रा में गांजा बेचा जा रहा है। विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन की सीमा में गांजा तस्करी के मामले में आरोपी धर्मेंद्र गुप्ता को गिरफ्तार किया गया है और उसके पास से 400 ग्राम गांजा जब्त किया गया है। आरोपी को कोर्ट में पेश करने पर उसे दो दिन की पुलिस हिरासत में दिया गया है। साथ ही जोन 4 में पुलिस प्रशासन गांजा बेचने और गांजा सेवन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है और यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने नागरिकों से अपील की है कि अगर उन्हें ऐसे गांजा बेचते या सेवन करते हुए मिलें तो वे पुलिस को जानकारी दें और सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

रेल दुर्घटना में व्यापारी की मौत

उल्हासनगर. पवित्र हरिद्वार यात्रा पर अपने परिवार के साथ जा रहे उल्हासनगर के एक व्यापारी की एक्सप्रेस पकड़ते समय नासिक रोड रेलवे स्टेशन पर दुर्घटना में मौत हो गई। उल्हासनगर कैंप 4 के 55 वर्षीय व्यापारी हरेश खेमचंद उदासी की नासिक रोड रेलवे स्टेशन पर दुर्घटना में मौत हो गई। हरेश अपने परिवार और 18 रिश्तेदारों के साथ हरिद्वार एक्सप्रेस से पवित्र यात्रा के लिए निकले थे। 11:30 बजे ट्रेन नासिक रोड स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर रुकी। उस समय हरेश पानी की बोतल लेने के लिए प्लेटफॉर्म पर उतरे। लेकिन जैसे ही एक्सप्रेस फिर से चलने लगी, वह उसे पकड़ने के लिए दौड़े। भागते समय एक्सप्रेस पकड़ते समय उसका हाथ फिसल गया और वह प्लेटफॉर्म और एक्सप्रेस के बीच गिर गए. रेलवे पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप किया और हरश को बाहर निकालकर नासिक के जिला अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि, वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

स्थानीय निकाय चुनाव मिलकर लड़ेगी महायुति

- सीएम फडणवीस ने अफवाहों को लगाया विराम

मुंबई. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि भाजपा नीत महायुति गठबंधन राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनाव मिलकर लड़ेगा, लेकिन जहां गठबंधन नहीं हो पाया वहां दोस्ताना मुकाबला होगा।

सिंचाई और बिजली उत्पादन परियोजनाओं का शुभारंभ करने के बाद फडणवीस मीडिया से बात कर रहे थे। बीएमसी सहित विभिन्न नगर निगमों और अन्य स्थानीय निकायों के चुनाव पिछले तीन वर्षों से लंबित हैं।

फडणवीस ने कहा कि भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष और पार्टी की चुनाव समिति स्थानीय निकाय चुनावों से संबंधित निर्णय लेने के लिए अधिकृत है।

आगे बोले कि हमने गठबंधन के रूप में चुनाव लड़ने का निर्णय

लिया है। जहां भी गठबंधन कारगर नहीं होगा, वहां दोस्ताना मुकाबला होगा। अजीत पवार के नेतृत्व वाली राकांपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना गठबंधन की दो अन्य पार्टियां हैं।

राहुल गांधी के मैच फिक्सिंग वाले बयान पर फडणवीस का तंज

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के चुनाव आयोग के खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाने पर कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में हार पर आत्ममंथन करने के बजाय, जनता के खारिज किए गए जनादेश को अस्वीकार कर रहे हैं।

फडणवीस ने राहुल पर देश की भावना को लगातार गलत समझने और दोषारोपण करने का आरोप लगाया। उन्होंने बार-बार गलती दोहराने का आरोप लगाते हुए कहा कि ताउम्र राहुल गांधी, आप यही गलती करते रहे, धूल चेहरे पर थी और आप आईना साफ करते रहे।

कैम्प-3 में 2 लोगों पर चाकू से हमला

- घायल का उपचार सेंट्रल अस्पताल में जारी
- दो युवकों के खिलाफ मामला दर्ज

उल्हासनगर. उल्हासनगर में अपराध में भारी वृद्धि हुई है। शहर में दिन-प्रतिदिन अपराध बढ़ते जा रहे हैं। ऐसी ही एक घटना में मुजाम्बिल और साहिल उल्हासनगर 3 कंवरराम चौक पर बैठे हुए थे, तभी मुजाम्बिल की बहन उसी जगह करण और सूर्या से बात कर रही थी। मुजाम्बिल ने सूर्या से पूछा कि तुम मेरी बहन से क्यों बात कर रहे हो। सूर्या को गुस्सा आ गया और उसने अपने पास मौजूद चाकू से मुजाम्बिल के पेट में वार कर दिया और मुजाम्बिल के भाई साहिल के हाथ पर भी वार कर दिया। इस घटना के बाद सूर्या और करण वहां से भाग गए। मुजाम्बिल और साहिल को इलाज के लिए सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है और सेंट्रल पुलिस थाने में करण और सूर्या के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है।

बदलापुर के युवक से संपर्क नहीं

विमान हादसा

एयर इंडिया के केबिन क्रू मेंबर में शामिल था दीपक पाठक

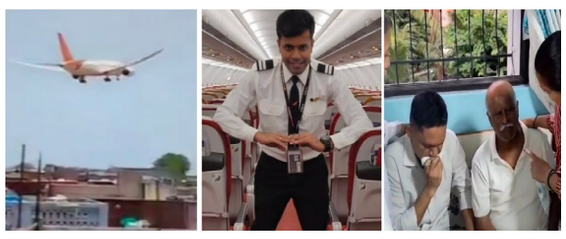

बदलापुर. अहमदाबाद में हुए विमान हादसे से पूरा देश हिल गया है। अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में 242 यात्री सवार थे। एयर इंडिया में केबिन क्रू के तौर पर काम करने वाले एक युवक से संपर्क नहीं हो पाया है। अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे में 242 यात्री सवार थे। एयर इंडिया के केबिन क्रू मेंबर से भी संपर्क टूट गया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। पवार दंपत्ति और केबिन क्रू मेंबर के परिवार में मातम पसरा है।

अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया के विमान में बदलापुर के दीपक पाठक भी शामिल हैं। दीपक पाठक पिछले 11 वर्षों से एयर इंडिया में केबिन क्रू के रूप में काम कर रहे थे। दोपहर में हुए विमान हादसे के बाद से उनसे कोई संपर्क नहीं हो पाया है। दीपक पाठक का परिवार बदलापुर के कात्रप इलाके में रावल कॉम्प्लेक्स में रहता है। दीपक ने गुरुवार सुबह लंदन रवाना होने से पहले अपनी मां को फोन किया था। दीपक के विमान दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर सुनते ही वे और उनके पड़ोसी उनके घर पहुंचे।

हमें भगवान पर पूरा भरोसा है और दीपक के बारे में आशावादी हैं, जब तक हमें उनके बारे में आधिकारिक जानकारी नहीं मिल जाती। हम आशावादी बने रहेंगे, ऐसा दीपक पाठक की बहन ने कहा।

अंबरनाथ में मवेशियों के अवशेष मिले, 6 पर केस

अंबरनाथ. अंबरनाथ के जंगल क्षेत्र में कथित तौर पर मवेशियों के अवशेष पाए गए। इसके बाद पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया। अंबरनाथ क्षेत्र के कान्हेरे गांव में एक राहगीर ने शवों को खुले में पड़ा देखा और एक दक्षिणपंथी संगठन से जुड़े स्थानीय कार्यकर्ता को इसकी जानकारी दी, जिसने मंगलवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

कुलगांव पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस टीम घटनास्थल पर गई। शवों के नमूने फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे। शवों के बारे में कहा गया है कि वे मवेशियों के हैं। छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, जिनकी पहचान कर ली गई है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

अंबरनाथ स्टेशन पर चलती लोकल के सामने पटरी पर गिरा नेत्रहीन व्यक्ति

अंबरनाथ. अंबरनाथ रेलवे स्टेशन पर एक बड़ा हादसा टल गया। लोकल पकड़ने की कोशिश में नेत्रहीन यात्री सीधे पटरी पर गिर गया, क्योंकि उसे प्लेटफॉर्म और पटरियों के बीच गैप का ध्यान नहीं रहा। हालांकि, सुरक्षाकर्मियों और अन्य यात्रियों की सतर्कता से यात्री की जान बच गई।

मुंबई मनपा के कर्मचारी सिद्धनाथ माने नेत्रहीन हैं। वे शाम 7 बजे कर्जत जाने वाली ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। लोकल पकड़ने की कोशिश में प्लेटफॉर्म का ध्यान न रहने की वजह से वे रेलवे ट्रैक पर गिर गए। उस समय ड्यूटी पर मौजूद सुरक्षाकर्मी अमोल देवरे ने उन्हें देख लिया और अपनी जान की परवाह किए बिना उन्हें बचा लिया। सिद्धनाथ माने अंबरनाथ रेलवे स्टेशन पर खड़े थे। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, जब लोकल आने की घोषणा हुई, तो वे लोकल पकड़ने के लिए आगे बढ़े। उसी समय कर्जत जा रही एक लोकल विपरीत दिशा से आ रही थी। चूंकि माने को प्लेटफॉर्म का ध्यान नहीं था, इसलिए वह सीधे रेलवे की पटरियों पर जा गिरा। उसी समय सुरक्षा गार्ड अमोल देवरे ने यह देख लिया। वह बिना एक पल सोचे पटरियों पर कूद गया। उसने माने को उठाया और उसे प्लेटफॉर्म पर ले आया। इस समय, कुछ यात्री भी उसकी मदद के लिए दौड़े। यह पूरी घटना स्टेशन पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है। अमोल देवरे की त्वरित सोच ने एक विकलांग व्यक्ति की जान बचाई। उनके इस काम की हर जगह सराहना हो रही है।

समस्याओं से घिरा उल्हासनगर रेलवे स्टेशन

- समाजसेवियों ने की स्टेशन मास्टर से मुलाकात
- यात्रियों की सुरक्षा के लिए स्टेशन पर होमगार्ड नहीं
- हो रही दुर्घटनाओं से रेल यात्री चिंतित
- पीने के पानी व शौचालय जैसी प्रमुख समस्या

उल्हासनगर. उल्हासनगर रेलवे स्टेशन की समस्याओं को लेकर आज स्टेशन मास्टर के साथ उल्हासनगर शहर के यात्रियों और समाजसेवियों की एक बैठक स्टेशन मास्टर के कार्यालय में हुई। इस अवसर पर यात्रियों की विभिन्न समस्याओं को स्टेशन मास्टर के समक्ष रखा गया। यात्रियों के टिकट लेने के लिए टिकट खिड़की को नित समय पर खोला जाए और रेलवे स्टेशन पर जो एस्केलेटर बंद है उसे चालू किया जाए, यात्रियों की सुरक्षा के लिए स्टेशन पर होमगार्ड नहीं है, आरपीएफ जवानों की संख्या भी बढ़ाई जाए। बंद पड़े शौचालयों को खोला जाए और प्लेटफार्म नंबर दो पर शौचालयों की सफाई की जाए और सबसे महत्वपूर्ण पेयजल की व्यवस्था की जाए और एंबुलेंस शुरू की जाए जैसी अन्य कई समस्याएं स्टेशन मास्टर के समक्ष रखी गई। यात्रियों ने मांग की कि उस बैठक में उठाई गई समस्याओं का एक महीने के भीतर समाधान किया जाए और हर महीने एक बार जानकारी दी जाए। उल्हासनगर स्टेशन मास्टर साबित नित्यानंद ने यात्रियों की समस्याओं की जानकारी लेकर उनका समाधान निकालने का आश्वासन दिया है। उल्हासनगर शहर के प्रवासी वर्ग में एडवोकेट प्रशांत चंदनशिव, मुकेश मखीजा, आकाश मेंजी, उमेश देबनाथ, युवा सेना शहर अध्यक्ष सुशील पवार, रवि वर्मा, शिवनेरी फाउंडेशन के रवींद्र मिंडे उपस्थित थे।

अंबरनाथ में सोसायटी के विरोध करने पर बिजली प्रीपेड मीटर निकाले गए

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम के मोहन सबरबिया के एक विंग में महावितरण की ओर से स्मार्ट प्रीपेड मीटर बिठाए जाने के बाद कांग्रेस शहराध्यक्ष एड. कृष्णा रसाल पाटिल और उनके साथियों द्वारा विरोध करने पर महावितरण के कर्मचारियों ने नए टीओडी मीटर निकाल कर पुराने मीटरों को वापस लगाया है.

कर्मचारी ये कहकर वहां से भाग खड़े हुए कि हम दोबारा आकर शेष बचे हुए ये लगाए गए नए मीटर निकालकर वापस पुराने मीटर लगा देंगे. ऐसी जानकारी हमें एड. कृष्णा पाटिल ने दी है.

विदित हो कि उन्होंने शहर में नए टीओडी मीटर बिठाने का विरोध करते हुए महावितरण कार्यालय पर मोर्चा निकालने के दूसरे दिन पाटिल के स्वतः के फ्लैट का एवं विंग के कई पुराने मीटर किसी की अनुमति के बिना निकालकर प्रीपेड लाइट मीटर बिठाने लगे. उसी समय कृष्णा पाटिल, रोहित प्रजापति आदि पहुंच गए और नए प्रीपेड मीटर निकालने के लिए महावितरण को मजबूर किया. इस घटना का चर्चा शहर में है. और शहर के कई सोसायटी के पदाधिकारियों ने मीटर रूम के दरवाजे को ताला मार दिया है.

विदित हो कि एड. पाटिल मोहन सबरबिया के सोसायटी के चेयरमैन भी हैं. उन्होंने पत्रकारों को बताया कि महावितरण के कर्मचारी चोरी छुपे उनकी अनुमति के बिना सुरक्षा रक्षक को बिना बोले अंदर तक आकर पुराने मीटर निकालकर प्रीपेड मीटर लगा रहे थे. विरोध करने पर कुछ प्रीपेड मीटर वापस निकालकर पुराने मीटर बिठाकर हम वापस आते हैं, ये बोलकर चले गए हैं. ये पाटिल के जन आंदोलन की बड़ी जीत है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

दिल्ली में आग से मौतें

दिल्ली के निजी विद्यालयों में मनमाने तरीके से शुल्क बढ़ाए जाने पर सवाल उठते रहे हैं। अभी हाल ही में द्वारका में कई अभिभावकों ने सरकार की अनुमति के बिना एक विद्यालय पर शुल्क बढ़ोतरी का आरोप लगाया था। साथ ही दावा किया था कि बच्चों और उनके माता-पिता पर दबाव बनाने के लिए कुछ स्कूलों में अतिरिक्त कर्मी तैनात किए जाते हैं।

निजी विद्यालयों की निरंकुशता का मुद्दा अदालतों में भी उठता रहा है। ऐसा भी नहीं कि शिक्षा निदेशालय को वस्तुस्थिति मालूम न हो। सवाल यह है कि निजी विद्यालयों को मनमानी करने की छूट किसने दी?

कौन लोग हैं जो इन्हें अब तक शह देते रहे हैं? लगातार शिकायतें मिलने पर दिल्ली सरकार ने हाल ही में विधानसभा में दिल्ली स्कूल शिक्षा (पारदर्शिता निर्धारण और शुल्क विनियमन-2025) विधेयक पारित करने का निर्णय किया था, मगर किन्हीं कारणों से यह पेश नहीं किया जा सका था।

अब इस विधेयक को अध्यादेश के जरिए लागू करने का दिल्ली मंत्रिमंडल का फैसला एक महत्त्वपूर्ण कदम है। इससे शुल्क प्रणाली में पारदर्शिता आएगी और अभिभावकों को भी बड़ी राहत मिलेगी। निजी विद्यालयों को अब जवाबदेह बनना होगा। वे अभिभावकों पर मनमाने तरीके से आर्थिक बोझ नहीं डाल सकेंगे।

हैरत की बात तो यह है कि निजी विद्यालयों में शिक्षा शुल्क के अतिरिक्त अन्य मदों में राशि जोड़कर कई वर्षों से वसूली की जाती रही है। विकास शुल्क के नाम पर अभिभावकों पर दबाव बनाया जाता है। मगर, अब इस पर रोक लग सकेगी।

गौरतलब है कि इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने मनमाना शुल्क बढ़ाने पर निजी विद्यालयों और दिल्ली शिक्षा निदेशालय को नोटिस जारी किए थे। इसमें दोराय नहीं कि बार-बार शुल्क बढ़ाए जाने से गरीब और मध्यवर्गीय परिवारों पर नाहक ही आर्थिक बोझ पड़ता है। नया अध्यादेश लागू होने के बाद निजी विद्यालय निर्धारित सीमा से अधिक शुल्क नहीं वसूल सकेंगे।

वैवाहिक संबंधों में विश्वास का खात्मा

पति को मारकर उसके शव को नीले ड्रम में सीमेंट से ढकने वाली मेरठ की मुस्कान का केस ठंडा भी नहीं हुआ था कि इंदौर की सोनम का मामला सामने आ गया। कौन अपराधी है और कौन नहीं, अदालत किसे कितनी सजा देगी, यह वक्त बताएगा, लेकिन यह सोचकर दहशत होती है कि हनीमून के लिए मेघालय गई सोनम ने अपने पति राजा रघुवंशी को मरवा दिया।

ससुराल वालों के साथ खुश रहना, विवाह के समय नाचना-कूदना और मन में किसी और योजना का चलना। क्या सचमुच उसने राज कुशवाहा जैसे फटेहाल प्रेमी के लिए यह सब किया या किसी और के लिए? राजा की हत्या का राज खुलने के बाद कुछ लोग एनसीआरबी रिपोर्ट का हवाला देकर कह रहे हैं कि 90 प्रतिशत से अधिक अपराध पुरुष करते हैं और स्त्रियां तो मात्र छह-आठ प्रतिशत ही ऐसा करती हैं। क्या यह कहा जा रहा है कि जब तक 92-94 प्रतिशत स्त्रियां भी अपराध न करने लगें, तब तक इन घटनाओं की अनदेखी की जाए?

अपराध को अपराध की तरह देखना चाहिए। स्त्री-पुरुष नहीं करना चाहिए। इसीलिए लंबे अर्से से मांग हो रही है कि स्त्रियों संबंधी कानूनों को लैंगिक भेद से मुक्त किया जाए। स्त्री या पुरुष, जो भी अपराधी हो, उसे सजा मिले। कई महिलाएं टीवी डिबेट्स में कह रही हैं कि सोनम का मीडिया ट्रायल किया जा रहा है, जबकि वह राजा के घर वालों से बात कर रहा है तो सोनम और राज कुशवाहा के घर वालों से भी।

जब किसी पुरुष के आरोपित

बनते ही उसके परिवार वालों को रात-दिन दिखाया जाता है, तब ऐसे विचार क्यों प्रस्फुटित नहीं होते? दुष्कर्म के मामलों में महिलाओं के तो नाम बताना, चित्र दिखाना अपराध है, लेकिन पुरुषों के चित्र हर वक्त दिखाए जाते हैं। अगर वे निर्दोष साबित हो जाते हैं तो क्या उनकी और उनके परिवार की खोई प्रतिष्ठा वापस मिलती है? अनेक बार तो नौकरी तक चली जाती है।

इस प्रसंग में 1988 का चर्चित इंदु अरोड़ा-अजीत सेठ कांड याद आता है। हरीश से विवाहित इंदु के अजीत से संबंध थे। उन्हें लगता था कि उनके संबंधों में इंदु के दो छोटे बच्चे रोड़ा बन रहे हैं। दोनों ने मिलकर बच्चों पर मिट्टी का तेल छिड़का और आग लगा दी। उस समय इस घटना पर भी लोगों में काफी आक्रोश जागा। जब उन्हें जेल भेजा गया तो वहां कैदियों ने उनकी पिटाई की।

मेघालय की घटना से राजा रघुवंशी और सोनम के साथ उन चार लड़कों के परिवार भी तबाह हुए, जिन्हें हत्या के आरोप में पकड़ा गया है। जो किसी अपराध को अंजाम देते हैं, उन्हें यह क्यों नहीं लगता कि वे पकड़े भी जाएंगे या यह सोचते हैं कि कुछ भी करके बच निकलेंगे? पुरुषों के अधिकारों के लिए काम करने वाली संस्था एकम न्याय फाउंडेशन की दीपिका भारद्वाज ने दो फिल्में बनाई हैं- मार्टरस आफ मैरिज और इंडियाज संस।

वह पुरुष आयोग बनाने की मांग करती रही हैं। उन्होंने पत्नियों द्वारा पति की हत्या और पुरुषों की आत्महत्या के मामलों का अध्ययन किया था। इसके अनुसार देश भर में जनवरी 2023 से लेकर दिसंबर तक 306 पतियों और कई मामलों में उनके परिवार वालों की हत्या पत्नियों द्वारा की गई। इनमें से कुछ हत्याओं को आत्महत्या बताने की कोशिश की गई।

एक तरफ महिलाओं के बारे में कहा जाता है कि वे बहुत सशक्त हो रही हैं, लेकिन दूसरी तरफ जैसे ही कोई स्त्री अपराध करती है, उसके बचाव में कहा जाने लगता है कि वह तो ऐसा कर ही नहीं सकती। क्यों नहीं कर सकती? आखिर वे स्त्रियां कौन हैं, जो जघन्य अपराध कर रही हैं? कई बार सोचती हूं कि किसी अपराध को साबित करने के लिए पुलिस के सामने भी कितनी चुनौतियां होती हैं। राजा की हत्या के मामले में मेघालय पुलिस को आलोचना का सामना करना पड़ा। वह जिस तरह बिना किसी प्रतिक्रिया के मामले की छानबीन करती रही, वह तारीफ के काबिल है। प्रतिक्रिया न देने पर सोनम और राजा के परिवार वाले उसकी लगातार आलोचना कर रहे थे। मेघालय में ऐसे अपराध न के बराबर होते हैं। वहां भी इस घटना पर लोगों में गुस्सा है। लोग दोनों परिवारों से माफी की मांग कर रहे हैं। कुछ कह रहे हैं कि पूर्वोत्तर को बेवजह बदनाम किया गया। लोग पूछ रहे हैं कि यदि सोनम को राजा पसंद ही नहीं था तो उससे विवाह क्यों किया? यदि उसे इसकी चिंता थी कि मना करेगी तो हृदय रोगी पिता का क्या होगा, तो क्या अब वह बहुत खुश होंगे? वह नाते-रिश्तेदारों, आसपास वालों का सामना कैसे कर रहे होंगे? आखिर हमारे समाज में भरोसे में इतनी कमी (ट्रस्ट डेफिसिट) कैसे हो गई।

संतुलन, स्थिरता से आता है,
स्थिरता, प्रभु के साथ संपर्क से आती है।
प्रभु के साथ यह संपर्क ध्यानाभ्यास से आता है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

दुनिया में खसरे की वापसी

खसरे का संक्रमण एक बार फिर अपने पांव तेजी से पसार रहा है। यह किसी एक देश की बात नहीं, बल्कि दुनिया भर में खसरे के मामले बढ़ रहे हैं। इससे संबंधित एक हालिया रपट ने विश्व भर के स्वास्थ्य विशेषज्ञों को चिंता में डाल दिया है। इसके मुताबिक, वर्ष 2023 में पूरी दुनिया में खसरे के एक करोड़ तीन लाख मामले सामने आए, जो 2022 की तुलना में 20 फीसद अधिक हैं। इसे अमेरिका, यूरोप, भारत और आस्ट्रेलिया सहित कई देशों के लिए नई चुनौती के रूप में देखा जा रहा है।

खसरा सबसे ज्यादा बच्चों को प्रभावित करता है और इसे टीकाकरण से रोका जा सकता है। मगर सवाल यह है कि जब दुनिया भर में इस संक्रमण का टीका वर्षों से उपलब्ध है, तो इसकी चाल फिर तेज क्यों हो रही है? इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिनमें वैश्विक स्तर पर खसरे से निपटने के उपायों में ढिलाई से भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

गौर करने वाली बात है कि खसरे से बचने के लिए तैयार किया गया टीका वर्ष 1963 से ही दुनिया भर में उपलब्ध है और इसके प्रभावशाली नतीजे भी सामने आए हैं। मगर पिछले कुछ वर्षों में इसके संक्रमण के मामले बढ़ना भारत समेत दुनिया के तमाम देशों के लिए एक चेतावनी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और अमेरिका की स्वास्थ्य संस्था सेंटर फार डिजीज कंट्रोल (सीडीसीसी) की रपट के अनुसार, भारत उन 57 देशों में से एक है, जहां वर्ष 2023 में खसरे के मामले बढ़े हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि वैश्विक स्तर पर इस संक्रमण के फैलने की घटनाएं 20 फीसद बढ़ी हैं।

अमेरिका में तो वर्ष 2000 में खसरे के उन्मूलन की घोषणा कर दी गई थी, लेकिन पच्चीस साल बाद वहां की स्वास्थ्य संस्था सीडीसी ने इस साल जनवरी से मई तक देश में खसरे के 900 मामले सामने आने की पुष्टि की है। आस्ट्रेलिया में इस साल के शुरुआती पांच महीनों में खसरे के 77 मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि 2024 में यहां कुल 57 मामले सामने आए थे। यूरोप में पिछले 25 वर्षों की तुलना में खसरे के सबसे अधिक मामले वर्ष 2024 में दर्ज किए गए।

मौजूदा स्थिति को देखते हुए ऐसा लगता है कि दुनिया भर में खसरे के टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा करने का वक्त आ गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रपट में कहा गया है कि कोरोना महामारी भी खसरे का संक्रमण बढ़ने की एक वजह बनी है। उस दौरान लोगों का ध्यान कोरोना के टीके लगवा कर इससे बचने पर था। इससे खसरे का टीकाकरण प्रभावित हुआ। मगर, यह भी सच है कि कोरोना काल के बाद सरकारी स्तर पर खसरे के संक्रमण को रोकने को लेकर जो सक्रियता दिखाई जानी चाहिए थी, उसका अभाव रहा।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, खसरे से संक्रामित व्यक्ति कई लोगों में संक्रमण फैला सकता है। लिहाजा दुनिया के लिए यह सावधान होने की घड़ी है। व्यापक स्तर पर टीकाकरण के बिना इस बीमारी से सुरक्षा पाना मुश्किल है। इस रपट के सामने आने के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी सलाह दी है कि सभी देशों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चों को टीके की दो-खुराक अवश्य मिले।

सेहरा पहन निकला 'कुत्ता', हमीरपुर में हुई अनोखी शादी

जरा हट के

शादी-ब्याह तो आपने बहुत देखे होंगे, लेकिन यूपी के हमीरपुर जिले में अनोखा नज़ारा देखने को मिला. यहां इंसानों की नहीं, बल्कि दो पालतू जानवर कुत्ता और कुतिया की धूमधाम से हिंदू रीति- रिवाजों के साथ शादी कराई गई. ये शादी 11 जून को मुस्करा विकासखंड के छानी बांध गांव में बड़े ही भव्य अंदाज़ में हुई.

दूल्हा कुत्ता 'सेवानंद' और दुल्हन कुतिया 'विचित्रकुमारी' की शादी किसी फिल्मी शादी से कम नहीं थी. मंडप, द्वारचार, मायना, जयमाल से लेकर विदाई तक की हर रस्म निभाई गई. लोगों ने बाकायदा शादी के कार्ड बांटे और पूरे गांव को बारात में आमंत्रित किया गया.

शादी में जिस अंदाज़ में बारात निकाली गई, उसने माहौल को पूरी तरह उत्सव में बदल दिया. डीजे पर बजते गानों के बीच, कुत्ते सेवानंद को दूल्हा बनाकर सजाया गया, सेहरा पहनाया गया और उसे घोड़ी की जगह विशेष वाहन में

बैठाकर गांव में बारात घुमाई गई. बारात में करीब दो सौ से ज्यादा लोग शामिल हुए, जो बाकायदा बाराती बने हुए थे.

दूल्हे के मालिक श्री श्री 1008 संतोषानंद जी महाराज जी बाल योगी जूना अखाड़ा से जुड़े हैं. उन्होंने बताया कि यह कोई मजाक नहीं, बल्कि पूरे सम्मान और आस्था के साथ यह आयोजन किया गया है.

बताया गया कि कुत्ता सेवानंद और कुतिया विचित्रकुमारी की शादी एक साल पहले ही तय कर दी गई थी. कुत्ते के मालिक संतोषानंद और कुतिया की मालकिन संतोष मुनि जी ने बताया कि दोनों संत जीवन जीते हैं, और ये जानवर उनके परिवार का हिस्सा हैं. दोनों को बचपन से पाला गया था और अब जब वे डेढ़ साल के हो गए हैं, तो उनकी शादी का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया.

इस शादी की चर्चा न केवल गांव में बल्कि सोशल मीडिया पर भी हो रही है. स्थानीय निवासी सिद्ध राम ने बताया कि शादी का माहौल पिछले दो दिनों से बना हुआ था. ग्रामीणों के लिए विशाल प्रीति भोज का आयोजन भी किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने भोजन ग्रहण किया. शादी के बाद 12 जून को कुतिया विचित्रकुमारी की विदाई सेवानंद के घर के लिए होगी. ये आयोजन पूरे गांव और जिले के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है.

नए अंदाज में भरवा करेले

खाना-खजाना

सामग्री :

- 4-5 मध्यम आकार के करेले
- 2 बड़े चम्मच तेल
- 1/2 चम्मच हल्दी पाउडर
- 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1 चम्मच धनिया पाउडर
- 1 चम्मच गरम मसाला
- नमक स्वादानुसार
- 1 कप बेसन (चने का आटा)
- 1 छोटी चम्मच जीरा
- 1/2 छोटी चम्मच हींग
- 1 छोटी चम्मच अजवाइन
- 1 छोटी चम्मच सौंफ
- 1 छोटी चम्मच अमचूर पाउडर
- 1 छोटी चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1 छोटी चम्मच धनिया पाउडर
- 1/2 छोटी चम्मच गरम मसाला
- 2 बड़े चम्मच तेल
- नमक स्वादानुसार
- हरा धनिया (बारीक कटा हुआ)

विधि :

सबसे पहले करेले को अच्छी तरह धो लें और सूखा लें। फिर करेले के दोनों सिरों को काटकर हटा दें। अब करेले को बीच से लंबाई में काटें और चम्मच की मदद से इसके बीच के गुदे और बीज निकाल दें। करेले के अंदर और बाहर नमक लगाकर 15-20 मिनट के लिए रख दें। इससे इसकी कड़वाहट कम हो जाएगी। इसके बाद करेले को पानी से धोकर सुखा लें। अब एक कढ़ाई में तेल गर्म करें और उसमें जीरा, हींग, अजवाइन और सौंफ डालकर भूनें। अब इसमें बेसन डालकर मध्यम आंच पर भूने और बेसन को लगातार चलाते रहें, ताकि यह जले नहीं। जब बेसन से सुगंध आने लगे और इसका रंग हल्का सुनहरा हो जाए, तो गैस बंद कर दें। अब इसमें लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, अमचूर पाउडर, गरम मसाला, नमक और हरा धनिया मिलाकर स्टफिंग तैयार करें। अब तैयार स्टफिंग को करेले के अंदर भरें। स्टफिंग भरने के बाद करेले को धागे या टूथपिक की मदद से बांध दें, ताकि स्टफिंग बाहर न निकले। अब एक कढ़ाई में तेल गर्म करें और उसमें करेले को धीमी आंच पर सुनहरा होने तक भूनें। करेले को अच्छी तरह पलटते रहें, ताकि यह समान रूप से पक जाए। जब करेला नरम हो जाए और अच्छी तरह भुन जाए, तो गैस बंद कर दें। गर्मागर्म भरवा करेला को दाल-चावल के साथ परोसें।

बेली फैट साइकिल चलाने से कम होगा या रनिंग से?

- जानें कौन सी एक्टिविटी ज्यादा बेहतर

आज के जमाने में पेट की चर्बी (Belly Fat) की समस्या तेजी से बढ़ रही है. खराब लाइफस्टाइल, अनहेल्दी खानपान, तनाव और फिजिकल इनएक्टिविटी की वजह से पेट की चर्बी बढ़ जाती है. जब पेट बाहर की ओर निकलने लगे, तो इससे न सिर्फ पर्सनैलिटी खराब होती है, बल्कि बेली फैट से डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट डिजीज जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है. कई लोग पेट कम करने के लिए रोज साइकिल चलाते हैं, जबकि कुछ लोग बेली फैट कम करने के लिए रनिंग करते हैं. अब सवाल यह उठता है कि साइकिल चलाने से पेट की चर्बी जल्दी से कम होगी या रनिंग ज्यादा असरदार है? चलिए समझते हैं कि कौन सी एक्टिविटी आपके लिए ज्यादा फायदेमंद है.

नोएडा की फोर्टियर फिटनेस एकेडमी के ट्रेनर देव सिंह ने बताया कि साइकिल चलाना एक बेहतरीन कार्डियो एक्सरसाइज है, जो आपके पूरे शरीर को एक्टिव करती है. साइकिल चलाने से पैरों, जांघों और पेट की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है. जब आप नियमित रूप से 30 से 60 मिनट तक साइकिल चलाते हैं, तो आपके शरीर में 250 से 400 कैलोरी बर्न होती है, जिससे फैट कम होने लगता है. खास बात यह है कि साइकिल चलाने से शरीर पर दबाव कम पड़ता है, इसलिए यह

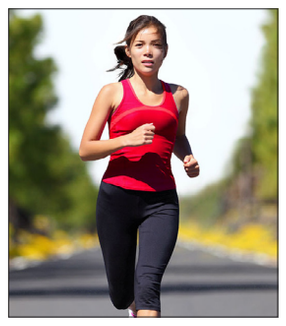

उन लोगों के लिए बेहतर है जिन्हें घुटनों की समस्या है या ज्यादा वजन की वजह से रनिंग करना मुश्किल होता है.

फिटनेस ट्रेनर ने बताया कि रनिंग को सबसे तेज फैट-बर्निंग एक्सरसाइज में से एक माना जाता है. यह एक हाई-इंटेंसिटी कार्डियो एक्सरसाइज है, जिससे शरीर तेजी से कैलोरी बर्न करता है. 30 मिनट की रनिंग में आप लगभग 300 से 500 कैलोरी बर्न कर सकते हैं, जो कि आपके बैली फैट को कम करने में बेहद मददगार है. रनिंग खासकर पेट की चर्बी को तेजी से घटाने में भूमिका निभाता है, क्योंकि इससे मेटाबोलिज्म भी सुधरता है और शरीर में स्टोर फैट को एनर्जी के रूप में इस्तेमाल किया जाता है. हालांकि हर कोई रनिंग नहीं कर सकता है. जबकि साइकिल चलाना अधिकतर लोगों के लिए संभव है.

एक्सपर्ट की मानें तो अगर आप कैलोरी बर्न के उद्देश्य से एक्सरसाइज करना चाहते हैं, तो रनिंग ज्यादा प्रभावी है. हालांकि यह भी ध्यान देना जरूरी है कि आपकी उम्र, वजन और फिटनेस लेवल के अनुसार यह आंकड़े बदल सकते हैं. रनिंग से घुटनों, एड़ियों और पीठ पर दबाव बढ़ सकता है, खासकर अगर आपकी रनिंग तकनीक सही नहीं है या आप ओवरवेट हैं. साइकिलिंग लो-इंपैक्ट एक्सरसाइज है और इससे चोट लगने का खतरा कम होता है. अगर आपको किसी तरह की पुरानी चोट है, तो साइकिलिंग एक सुरक्षित विकल्प हो सकता है. अगर आप चाहें तो साइकिलिंग और रनिंग दोनों को अपनी फिटनेस रूटीन में शामिल कर सकते हैं. हफ्ते में 3 दिन रनिंग और 2 दिन साइकिलिंग का कॉम्बिनेशन बैली फैट कम करने में बेहद असरदार हो सकता है.

यह भी जरूरी है...

जानकारों की मानें तो सिर्फ एक्सरसाइज से बैली फैट कम नहीं होगा. पेट की चर्बी कम करने के लिए हेल्दी डाइट, पर्याप्त नींद और स्ट्रेस मैनेजमेंट भी जरूरी हैं. फाइबर, प्रोटीन और कम शुगर वाले फूड को अपनी डाइट में शामिल करें और नियमित पानी पीते रहें. अगर आप कंसिस्टेंसी और अनुशासन के साथ कोई भी फिजिकल एक्टिविटी अपनाएं और खान-पान से लेकर नींद और लाइफस्टाइल पर ध्यान दें, तो आपको बेहतर रिजल्ट मिल सकता है.

आज का राशिफल

मेष : व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। लाभ के मौके बार-बार प्राप्त होंगे। विवेक का प्रयोग करें। बेकार बातों में समय नष्ट न करें। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में तरक्की के योग हैं। व्यापार की गति बढ़ेगी। लाभ में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ : कोई बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। किसी विशेष क्षेत्र में सामाजिक कार्य करने की इच्छा रहेगी। प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

मिथुन : व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लाभ में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कोर्ट व कचहरी के अटके कामों में अनुकूलता आएगी।

कर्क : जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐसा कोई कार्य न करें जिससे बाद में पछताना पड़े। जोखिम न लें। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे।

सिंह : व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा। सभी काम पूर्ण होंगे। जल्दबाजी न करें। कोर्ट व कचहरी में लंबित कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या : संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें। संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। झंझटों से दूर रहें। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। रोजगार में वृद्धि तथा बेरोजगारी दूर होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

तुला : विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। प्रमाद न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी।

वृश्चिक : प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। बेवजह विवाद की स्थिति बन सकती है। दूसरों के उकसाने में न आकर महत्वपूर्ण निर्णय स्वयं लें, लाभ होगा।

धनु : कुंआरों को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। प्रमाद न करें। जल्दबाजी में कोई काम न करें। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। तनाव रहेंगे।

मकर : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में मनोनुकूल लाभ होगा। प्रमाद न करें। किसी भी निर्णय को लेने में जल्दबाजी न करें। भ्रम की स्थिति बन सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। थकान महसूस होगी।

कुंभ : घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। बेरोजगारी दूर होगी। अचानक कहीं से लाभ के आसार नजर आ सकते हैं। किसी बड़ी समस्या से निजात मिलेगी। निवेश व नौकरी मनोनुकूल लाभ देंगे। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

मीन : हल्की हंसी-मजाक किसी से भी न करें। नकारात्मकता रहेगी। अकारण क्रोध होगा। फालतू खर्च होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। जोखिम न लें। आंखों को चोट व रोग से बचाएं। कीमती वस्तु गुम हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

चेहरे पर फिटकरी लगाने से दूर होंगी समस्याएं

एक्ने से छुटकारा- फिटकरी में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो एक्ने पैदा करने वाले बैक्टीरिया को खत्म करते हैं। इसके अलावा, यह त्वचा के एक्स्ट्रा ऑयल को कंट्रोल करके पोर्स को बंद करती है, जिससे ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स की समस्या कम होती है। अगर आपको ज्यादा एक्ने होते हैं, तो गीले चेहरे पर फिटकरी लगाएं और 15 मिनट बाद इसे पानी से धो लें। हफ्ते में 2 बार इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

चेहरे की रंगत निखारे- फिटकरी त्वचा के दाग-धब्बों और पिग्मेंटेशन को कम करती है। यह डेड स्किन सेल्स को हटाकर चेहरे को निखारने में मदद करती है। इसके लिए आप पानी में फिटकरी मिलाकर इससे अपना चेहरा धो सकते हैं।

त्वचा की सूजन और जलन कम करे- कई बार चेहरे पर रैशेज, कीड़े के काटने या सनबर्न की वजह से सूजन हो जाती है। फिटकरी में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण सूजन और खुजली को शांत करते हैं। फिटकरी को पानी में मिलाएं और रूई की मदद से फिटकरी के पानी को प्रभावित हिस्सों पर लगाएं।

ब्लीडिंग रोकने में मददगार- अगर शेविंग या वैक्सिंग के बाद चेहरे पर कट लग जाए और खून निकलने लगे, तो फिटकरी का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह खून को जमाने में मदद करती है।

ऑयली स्किन को कंट्रोल करे- ऑयली स्किन वाले लोगों के लिए फिटकरी काफी फायदेमंद होती है। यह सीबम प्रोडक्शन को कम करके पोर्स को टाइट करती है, जिससे चेहरा लंबे समय तक मैट दिखता है। सीबम प्रोडक्शन कम होने की वजह से एक्ने भी कम होते हैं। हालांकि, फिटकरी लगाने के बाद चेहरा थोड़ा खिंचा-खिंचा लग सकता है। इसलिए मॉइश्चराइज करना न भूलें।

भोजन के तुरंत बाद पानी पीना जहर के समान!

तुरंत छोड़े यह गंदी आदत, वरना हो सकतीं ढेरों समस्याएं

हेल्थ एक्सपर्ट हर वयस्क को रोजाना 2-3 लीटर तक पानी पीने की सलाह देते हैं. लेकिन, आयुर्वेद में पानी पीने के कुछ नियम भी बताए गए हैं. हमारी प्राचीन चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद में पानी पीने के समय को बहुत महत्व दिया गया है. चाणाक्य नीति भी कहती है- 'अजीर्णे भेषजं वारि, जीर्णे वारि बलप्रदम्. भोजने चाऽमृतम् वारि, भोजनान्ते विषप्रदम्' यानि अपच के समय पानी दवा की तरह काम करता है. जब खाना अच्छे से पच चुका होता है, तब पानी ताकत देता है. खाना खाते समय थोड़ा-थोड़ा पानी पीना अमृत समान माना गया है, क्योंकि यह खाना निगलने और पचाने में मदद करता है. लेकिन खाना खाने के बाद तुरंत पानी पीना, जहर से कम नहीं.

कैसे और कहां पहुंचता है भोजन

आयुर्वेदिक गुणीजनों और ग्रंथों के अनुसार, जब हम खाना खाते हैं, तो वह पेट के अंदर एक खास जगह पर जाता है, जिसे 'जठर' यानी "आमाशय" कहा जाता है. यह हमारे शरीर के बीच में, नाभि के पास बाईं ओर होता है. आमाशय में एक हल्की-सी अग्नि होती है, जिसे हम पाचन की अग्नि कह सकते हैं. यही अग्नि खाना पचाने में मदद करती है. जब हमें भूख लगती है, तो असल में यही अग्नि हमें इशारा करती है कि शरीर को अब ऊर्जा की जरूरत है. जैसे गाड़ी में पेट्रोल खत्म होने पर रिजर्व में आ जाती है, वैसे ही शरीर भी भूख के जरिए बताता है कि अब उसे खाना चाहिए.

खाने के तुरंत बाद पानी पीने के नुकसान

- अपच की स्थिति में खाना लंबे समय तक पेट में ऐसे ही पड़ा रहता है और सड़ने लगता है. इससे गैस बनने लगती है और वह डकार या अन्य तरीके से निकलती है. साथ ही पेट भारी सा महसूस होता है. इसलिए खाने के बाद तुरंत पानी पीना जहर के समान होता है. ऋषि-मुनियों ने यह बात बहुत पहले ही कह दी थी और इसे वैज्ञानिक भी मानते हैं.
- अगर इसे वैज्ञानिक नजरिए से समझें, तो जब हम खाना खा लेते हैं, तब पेट में पाचन के लिए एसिड और एंजाइम्स बनते हैं. अगर हम तुरंत बाद में पानी पी लेते हैं, खासकर ज्यादा मात्रा में, तो यह पाचन रसों को पतला कर देता है. इससे खाना अच्छे से नहीं पचता और अपच, गैस, एसिडिटी जैसी दिक्कतें हो सकती हैं.

पानी पीने का सबसे परफेक्ट समय

एक्सपर्ट के मुताबिक, समय खाने के एक घंटे तक कुछ भी न खाएं और न ही पानी पिएं. इससे जठराग्नि यानी आमाशय में अग्नि आराम से अपना काम कर पाती है और खाना अच्छे से पचकर शरीर को ताकत देता है.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

दिल दहला देने वाली वारदात, बदमाशों ने घर में घुसकर महिला को मौत के घाट उतारा

मुरादाबाद. मुरादाबाद से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां बदमाशों ने घर में घुसकर 32 साल की महिला की गोली मारकर हत्या कर दी। ये घटना कुंदरकी थाना क्षेत्र का है। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि आज़ सुबह के मोहल्ला नुरुल्लाह स्थित कन्या इंटर कॉलेज के पास की रहने वाली 32 साल की अंजुम की घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी। कुंदरकी में मृतका अपनी दो बेटियों के साथ रहती थी। जहां कुंदरकी के रहने वाले हाफ़िज़ से उसकी शादी हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद से दोनों पति-पत्नी में अनबन रहने लगी। इस दौरान मृतका ने अपने शौहर हाफ़िज़ के खिलाफ मुकदमा दर्ज़ कराया था। पूछताछ में मृतका की बेटी के बयान का हवाला देते हुए बताया गया है कि हत्यारोपी हाफिज और उसका भाई खालिद द्वारा हत्या की घटना को अंजाम दिया गया।

यूपी में दर्दनाक हादसा, डिवाइडर से टकराकर हाइवे पर पलटी कार, दंपति समेत चार की मौत

झांसी. झांसी से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां पूंछ थाना क्षेत्र में गुरुवार तड़के झांसी-कानपुर एनएच पर तेज रफ्तार बेकाबू कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में पैतृक घर सिद्धार्थनगर से बकरीद मनाकर वापस महाराष्ट्र जा रहे स्टील कारोबारी दंपति समेत चार की मौके पर मौत हो गई। जबकि कार सवार उनके पिता, दो बेटे और बेटी गंभीर रूप से घायल हो गए। सिद्धार्थनगर जिले के थाना इतरी बाजार के गांव लोहगढ़ के रहने वाले उबैदुर रहमान (44) महाराष्ट्र में स्टील का कारोबार करते थे। गुजरे, दिनों पूरा परिवार बकरीद मनाने पैतृक घर आया था। गुरुवार को उबैदुर रहमान अपनी पत्नी आसमा (40), बेटी उसना परवीन (15), बेटा अब्दुल्ला बहादुर रहमान (10), दूसरे बेटे अनीदुर रहमान (8) और छोटी बेटी ईश्य रहमान (6) व पिता शाहबुद्दीन रहमान (71) के साथ वापस महाराष्ट्र जा रहे थे।

अहमदाबाद विमान हादसा, 241 यात्रियों की मौत

- भारतीय मूल का ब्रिटिश नागरिक जिंदा बचा
- एअर इंडिया की फ्लाइट लंदन जा रही थी
- पूर्व CM रूपाणी का भी निधन

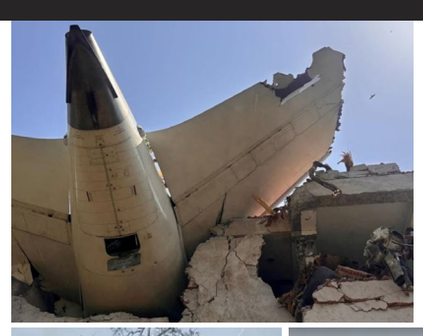

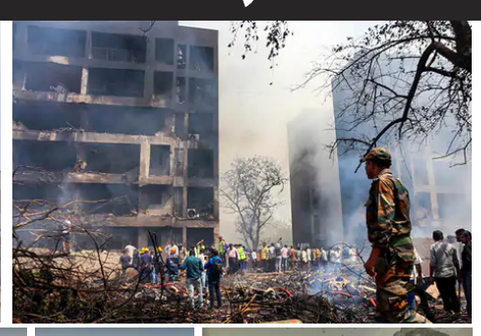

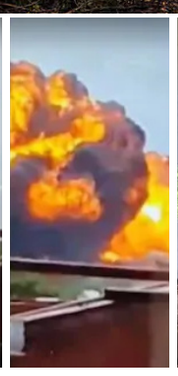

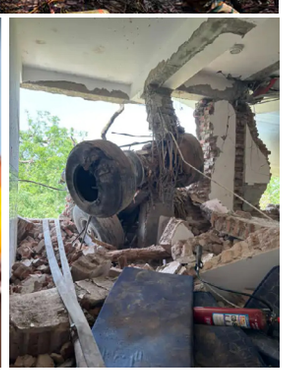

अहमदाबाद. अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हो गया। इसमें 12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग सवार थे। अब तक हादसे में केवल एक यात्री के जिंदा बचने की बात आई है। बाकी सभी लोगों की मौत हो गई है।

न्यूज एजेंसी ANI ने पुलिस कमिश्नर के हवाले से जानकारी दी कि प्लेन की सीट नंबर 11-A पर बैठे हुए भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक रमेश विश्वास कुमार हादसे में जिंदा बच गए हैं। उनका वीडियो भी सामने आया है। इससे पहले AP ने कहा था कि विमान में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है।

एअर इंडिया की उड़ान संख्या AI-171 अहमदाबाद से लंदन जा रही थी। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। 103 पुरुष, 114 महिलाएं, 11 बच्चे और 2 नवजात शामिल हैं। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे।

हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी निधन हो गया है। भाजपा के राज्यसभा सांसद परिमल नाथवानी ने X पर यह जानकारी दी। हालांकि कुछ देर बाद उन्होंने अपनी पोस्ट डिलीट कर दी।

प्लेन जिस बिल्डिंग से टकराया, वहां अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल के डॉक्टर्स रहते हैं। जानकारी के मुताबिक हादसे के समय इमारत में 50 से 60 डॉक्टर मौजूद थे, इनमें 15 से ज्यादा घायल हो गए हैं।

हादसे की जगह से मिले ज्यादातर शव इतनी बुरी तरह झुलस चुके हैं कि उनकी पहचान करने में बेहद मुश्किल आ रही है। उनकी पहचान DNA टेस्ट के बाद ही संभव होगी।

रूपानी पत्नी और बेटी से मिलने जा रहे थे लंदन

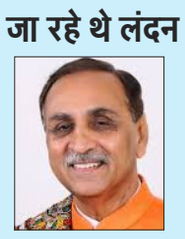

गुजरात बीजेपी अध्यक्ष सीआर पाटिल ने पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के निधन पर शोक व्यक्त किया और भगवान से सभी दिवंगत आत्माओं को शांति देने की प्रार्थना की. उन्होंने शोकसंतप्त परिजनों को भी इस कठिन समय में धैर्य और साहस देने की कामना की.

हादसे में सिर्फ एक यात्री जिंदा बचा

अहमदाबाद प्लेन हादसे में सिर्फ एक यात्री रमेश विश्वास कुमार जिंदा बचा है। वो प्लेन की 11A पर बैठे थे। रमेश का वीडियो सामने आया है, जिसमें वे घटनास्थल से खुद बाहर निकलते हुए नजर आ रहे हैं। उनके चेहरे जख्म हैं, वो लंगड़ाते हुए चल रहे हैं।

फडणवीस और राज ठाकरे की डेढ़ घंटे मुलाकात हुई

- शिवसेना यूबीटी-मनसे गठबंधन पर लग सकता है ब्रेक
- उद्धव बोले थे- जनता जो चाहेगी, वो होगा

मुंबई. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे से मुलाकात की। ये मीटिंग मुंबई के ताज लैंड्स एंड होटल में करीब डेढ़ घंटे तक चली। यह कार्यक्रम CM फडणवीस के शेड्यूल में शामिल नहीं था।

अचानक हुई इस मीटिंग के बाद राजनीतिक गलियारे में चर्चा है कि पिछले दिनों शिवसेना और मनसे (यूबीटी) के बीच गठबंधन की जो संभावनाएं थीं, उन पर फिलहाल विराम लग सकता है। हालांकि महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और बीजेपी नेता नितेश राणे ने कहा, ये मुलाकात राजनीतिक नहीं हैं। देवेंद्र जी के हर व्यक्ति के साथ अच्छे संबंध हैं।

दरअसल, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने 6 जून को अपने चचेरे भाई राज ठाकरे के साथ गठबंधन के संकेत दिए थे। उद्धव ने कहा था कि महाराष्ट्र की जनता जो चाहेगी, वही होगा। राज ठाकरे ने 2006 में शिवसेना से अलग होकर मनसे बनाई थी। महाराष्ट्र में इस साल सितंबर तक निकाय चुनावों होने की संभावना है। 2024 के विधानसभा चुनावों में शिवसेना (यूबीटी) और मनसे के खराब प्रदर्शन के चलते दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन की चर्चा तेज है। 2024 के चुनावों में उद्धव की पार्टी को जहां सिर्फ 20 सीटें मिलीं थीं। वहीं, मनसे का खाता तक नहीं खुला था।

महाराष्ट्र में महंगी होगी शराब!

राज्य सरकार ने बढ़ाई एक्साइज ड्यूटी

मुंबई. महाराष्ट्र में जल्द शराब महंगी हो जाएगी। राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई में हुई कैबिनेट बैठक में शराब बेचने और बनाने के नियमों में कई बदलाव किए गए हैं। महाराष्ट्र सरकार ने शराब पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ा दी है। सरकार ने शराब से होने वाली कमाई बढ़ाने के लिए बड़ा फैसला लिया है। सरकार का मानना है कि इन कदमों से राज्य को हर साल करीब 14,000 करोड़ रुपये की एक्स्ट्रा आमदनी हो सकती है।

कैबिनेट ने एक उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों को मंजूरी दी है, जिसने अन्य राज्यों के सफल मॉडलों को जानकर कई सुझाव दिये गए। अब राज्य में शराब की फैक्ट्रियों और डिस्टिलरी पर नजर रखने के लिए AI यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वाला कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। इससे शराब के अवैध कारोबार पर रोक लगेगी और पूरे सिस्टम में पारदर्शिता आएगी।

महाराष्ट्र के इन शहरों में खुलेंगे ऑफिस

मुंबई, पुणे, नासिक, नागपुर, ठाणे और अहिल्यानगर जैसे शहरों में नए ऑफिस खोले जाएंगे ताकि शराब से जुड़े नियमों को सही ढंग से लागू किया जा सके।

एक्साइज ड्यूटी बढ़ी, शराब महंगी होगी

सरकार ने देशी और विदेशी शराब पर टैक्स बढ़ा दिया है, जिससे इनके दाम भी बढ़ सकते हैं। देशी शराब पर अब 205 रुपये प्रति लीटर टैक्स लगेगा। जो पहले 180 रुपये प्रति लीटर था। IMFL यानी इंडियन मेड फॉरेन लिकर पर टैक्स प्रोडक्शन कॉस्ट लागत का 4.5 गुना होगा। ये पहले तीन गुना था।

शराब की रीटेल कीमतों पर पड़ेगा असर

देशी शराबः 80 रुपये

महाराष्ट्र मेड लिकर (MML): 148 रुपये

IMFL: 205 रुपये

प्रीमियम शराबः 360 रुपये

महाराष्ट्र मेड लिकर (MML) की शुरुआत

सरकार ने MML (Maharashtra Made Liquor) नाम की एक नई शराब कैटेगरी शुरू की है। यह अनाज से बनने वाली शराब होगी और इसे सिर्फ महाराष्ट्र के प्रोड्यूसर ही बना सकेंगे। इससे राज्य में लोकल प्रोडक्शन को बढ़ावा मिलेगा।

पश्चिम बंगाल में फिर तनाव

मंदिर में तोड़फोड़ के बाद बवाल, पुलिस पर भी पथराव

कोलकाता. बीते दिनों मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के बाद पश्चिम बंगाल में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। यहां दक्षिण 24 परगना के महेशतला में दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हुई है। कथित तौर पर स्थिति तब बिगड़ गई जब कुछ लोगों ने एक शिव मंदिर में तोड़फोड़ और पत्थरबाजी की। हिंसा के बाद अब इलाके में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। वहीं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 163 लागू कर दी गई है।

पुलिस के मुताबिक अब तक 40 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है और अन्य लोगों की तलाश जारी है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, "छापेमारी की जा रही है और अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है।" प्रत्यक्षदर्शियों बताया कि भीड़ ने कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। वहीं लोगों ने पुलिस पर पथराव भी किया। रवींद्रनगर पुलिस स्टेशन के बाहर अधिकारियों के साथ लोगों की झड़प हुई है। पथराव के दौरान एक महिला कांस्टेबल सहित कई पुलिस कर्मियों के घायल होने की खबर भी सामने आई है।

पुलिस पर हमला

इंडिया टुडे ने एक पुलिस अधिकारी के हवाले से बताया, ₹छतों से ईंटें फेंकी गईं है, लोगों ने सड़कों पर टायरों में आग लगा दी और उपद्रवियों ने पुलिस स्टेशन के सामने एक मोटरसाइकिल को भी आग के हवाले कर दिया। कई पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। एक पुलिसकर्मी बुरी तरह जख्मी हो गया है।₹ पुलिस ने भीड़ को काबू करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे है। इलाके में रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों को तैनात कर दिया गया है।

हाईकोर्ट जाएगी भाजपा

इस बीच भाजपा ने हालिया घटना को लेकर ममता बनर्जी को घेरा है। भाजपा के सुवेंदु अधिकारी ने राज्य सरकार पर हिंसा को बढ़ने देने का आरोप लगाया। अधिकारी ने कहा, ₹रवींद्रनगर में हिंदू समुदाय के साथ घंटों तक लूटपाट, आगजनी और हिंसा हुई, पुलिस चुपचाप देखती रही।₹ उन्होंने कहा है कि वह इस मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट से तत्काल हस्तक्षेप और केंद्रीय बलों की मांग करेंगे।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की कार में लाश मिली

चंडीगढ़. पंजाब की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कमल कौर भाभी उर्फ कंचन कुमारी की मौत हो गई। उसकी लाश बठिंडा में एक अस्पताल की पार्किंग में कार से मिली। फिलहाल पुलिस ने शव कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवा दिया है। अभी यह सामने नहीं आया है कि कमल कौर की हत्या किसने की। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना का एक CCTV वीडियो सामने आया है, जिसमें 10 जून को सुबह 5:33 बजे एक कार अस्पताल की पार्किंग में आती हुई दिख रही है। एक सिख युवक कार पार्क करके वहां से चला जाता है। कमल कौर (30) लुधियाना की रहने वाली थीं। वह इंस्टाग्राम पर अक्सर विवादित और अश्लील रील बनाती थी।

कांग्रेस बोली- भारत को अमेरिका से 3 बड़े झटके लगे

- मुनीर को न्योता दिया, पाक की तारीफ की
- PM सर्वदलीय बैठक बुलाएं

नई दिल्ली. कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने गुरुवार को कहा- बुधवार को एक ही दिन में भारत की कूटनीति (डिप्लोमेसी) को अमेरिका से तीन बड़े झटके लगे हैं। इनसे भारत की विदेश नीति और भारत-अमेरिका संबंधों पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

जयराम ने कहा- अमेरिका की सेंट्रल कमांड चीफ जनरल माइकल कुरिल्ला ने पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ साझेदार बताया। पाक आर्मी चीफ आसिम मुनीर को अमेरिकी आर्मी डे के लिए न्योता दिया है। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने फिर से कहा कि भारत-पाक तनाव ट्रम्प ने खत्म करवाया।

कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि ये हमारी कूटनीति के लिए बड़े झटके हैं। साथ ही चेतावनी और चुनौती भी हैं। प्रधानमंत्री जो सर्वशक्तिमान और सर्वव्यापी हैं, उन्हें अब सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। उन्होंने विदेश यात्राओं पर गए सांसदों से मुलाकात की है, अब विपक्षी दलों के नेताओं से भी मिलना चाहिए।

पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर इस हफ्ते अमेरिका दौरे पर पहुंचेंगे। वे 14 जून को वॉशिंगटन डीसी में अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के जश्न में शामिल होंगे। इस दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का 79वां जन्मदिन भी है। इस मौके पर राजधानी वॉशिंगटन में एक परेड का आयोजन होगा।

भारतीय टीम में टैलेंट की कमी नहीं

- इंग्लैंड के उपकप्तान बोले - विराट कोहली की चमक मिस करेंगे 16 साल से जीत का इंतजार

इंग्लैंड टेस्ट टीम के उपकप्तान ओली पोप का कहना है कि भारतीय क्रिकेट टीम में काफी टैलेंट है, लेकिन उसे विराट कोहली की कमी खेलेगी।

टीम इंडिया अभी इंग्लैंड दौरे पर है, उसे पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में शुरू होगा, जबकि अंतिम टेस्ट 31 जुलाई से लंदन के द ओवल में खेला जाएगा।

भारत ने इस हाई-प्रोफाइल सीरीज के लिए युवा टीम का चयन किया है। विराट कोहली और रोहित शर्मा ने IPL के दौरान ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था।

ओली पोप ने 'टॉकस्पोर्ट' क्रिकेट से कहा कि भारत की टीम युवा है, लेकिन इनके खिलाड़ियों में बहुत टैलेंट है। उनके पास बहुत से युवा और अच्छे खिलाड़ी हैं। कप्तान शुभमन गिल शानदार हैं। लेकिन उन्हें स्लिप में खड़े होकर चहकने वाले विराट कोहली की चमक की कमी खलेगी।

पोप ने यह भी कहा, 'भारतीय टीम के पास कुछ अच्छी प्रतिभाएं हैं। वे आत्मविश्वास से भरे होंगे। हमारे खिलाड़ी भी इसके लिए तैयार हैं.'

एशेज ट्रॉफी से पहले भारत के साथ सीरीज महत्वपूर्ण

ओली पोप ने कहा कि एशेज ट्रॉफी से पहले भारत के साथ यह सीरीज हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण है। भारत के साथ खेलने का यह एक बेहतरीन समय है। पिछली गर्मियों में हम वेस्टइंडीज और श्रीलंका के साथ खेले थे।

भारत ने 2007 के बाद से इंग्लैंड में कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। भारत को इंग्लैंड में 2011, 2014 और 2018 में हार का सामना करना पड़ा है जबकि 2021-22 की सीरीज ड्रॉ रही थी।

चाहकर भी बच्चे पैदा नहीं कर पा रहे 14% भारतीय

- 38 फीसदी लोगों को एक बात का डर

नई दिल्ली. संयुक्त राष्ट्र संघ की ओर से जारी एक रिपोर्ट में भारत समेत दुनिया के कई देशों में घटती जन्म दर को लेकर अलर्ट किया गया है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में जन्म दर अब प्रति कपल 1.9 ही रह गई है, जो कि रिप्लेसमेंट लेवल से कम है। जनसंख्या विज्ञानियों का मानना है कि आबादी का रिप्लेसमेंट लेवल 2.1 है, ऐसे में प्रजनन दर 1.9 ही रह जाना चिंता का विषय है। भले ही भारत की आबादी में अभी सीधे तौर पर असर नहीं दिख रहा है, लेकिन एक पीढ़ी यानी कुछ दशकों में बाद गंभीर चिंता की स्थिति बन सकती है। अब सवाल यह है कि

जन्म दर में इस गिरावट के क्या कारण हैं? संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में इस सवाल का भी जवाब दिया गया है।

दुनिया के 14 देशों के सर्वे के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की गई है। इस सर्वे में घटती जन्मदर को लेकर भी लोगों से एक सवाल भी पूछा गया कि आखिर आप जितने बच्चे पैदा करना चाहते हैं, उससे कम क्यों किए या फिर एक भी क्यों नहीं किया। इसके जो जवाब लोगों ने दिए हैं, उनसे कई चीजें स्पष्ट होते हैं और लोगों की चिंताएं भी समझ में आती हैं। भारत की बात करें तो 13 फीसदी लोगों ने कहा कि वे इसलिए बच्चे पैदा नहीं कर पाए क्योंकि वे बांझपन की समस्या से जूझ रहे हैं या फिर गर्भ ठहरने में दिक्कत आ रही है। इसके अलावा 14 फीसदी लोगों का कहना था कि वे प्रेग्नेंसी से जुड़ी मेडिकल समस्याओं से जूझ रहे हैं।

वहीं 15 फीसदी लोग ऐसे हैं, जिनका कहना है कि वे खराब स्वास्थ्य या फिर किसी गंभीर बीमारी के चलते पैरेंट नहीं बन पा रहे हैं। एक चिंता आर्थिक भी है, जिसके बारे में 38 फीसदी लोगों ने राय जाहिर की है। इन लोगों का कहना है कि आर्थिक सीमाओं के चलते वे परिवार नहीं बढ़ाना चाहते। उन्हें लगता है कि यदि परिवार बहुत बढ़ा लिया तो फिर बच्चों की परवरिश, शिक्षा, रिहायश जैसी चीजें व्यवस्थित तरीके से पूरी नहीं हो सकेंगी। वहीं 22 फीसदी लोगों की चिंता आवास से जुड़ी है और 21 फीसदी लोग रोजगार के अवसरों की कमी के कारण बच्चे नहीं पैदा करना चाहते। दिलचस्प बात है कि आर्थिक चिंता के चलते परिवार बढ़ाने से बचने वालों की संख्या अमेरिका में भी 38 फीसदी ही है।

सरकारी दफ्तर में एक दिन में कितने समोसे परोसे जाते हैं?

- RTI का ऐसा दुरुपयोग देख हाईकोर्ट भड़का

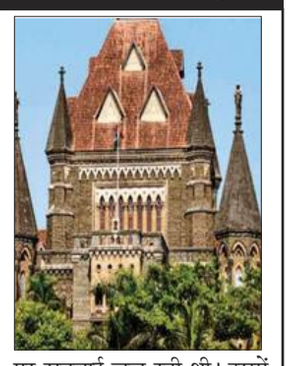

मुंबई. बॉम्बे हाईकोर्ट ने हाल ही में एक मामले की सुनवाई के दौरान RTI कानून के गलत इस्तेमाल को लेकर चिंता जाताई है। हाईकोर्ट ने कहा है कि सूचना के अधिकार जैसे कानूनों का मकसद लोगों की भलाई होती है, लेकिन लोग इसकी बर्बादी करने में जुटे हैं। बुधवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सूचना आयोग (SIC) ने बॉम्बे हाईकोर्ट को बताया कि उन्हें ऐसे ऐसे RTI आवेदन मिलते हैं, जिनका कोई मतलब नहीं होता। हाईकोर्ट ने मामले को गंभीरता से लिया है।

SIC ने बताया कि उन्हें हाल ही में एक आरटीआई आवेदन मिला है जिसमें पूछा गया है कि एक सरकारी दफ्तर में एक दिन में कितने समोसे परोसे जाते हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि यह मसला गंभीर है। चीफ जस्टिस आलोक अराधे और जस्टिस संदीप मार्ने की बेंच ने कहा, "कानून भलाई के उद्देश्य से बनाए जाते हैं, लेकिन लोग इसके जरिए दामादों की ढूंढ रहे हैं, सरकारी नौकरी वालों को ढूंढ रहे हैं।

बता दें कि कोर्ट में पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त शैलेश गांधी और पांच आरटीआई कार्यकर्ताओं द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई चल रही थी। इसमें राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त को आवेदनकर्ता द्वारा दूसरी अपील और शिकायत दर्ज कराने के 45 दिनों के भीतर निपटान के लिए रोडमैप देने का निर्देश देने की मांग की गई थी। हालांकि CIC ने कोर्ट को बताया कि निपटारे में देरी का कारण सूचना आयुक्तों के खाली पद हैं।

याचिकाकर्ताओं ने लगभग 1 लाख लंबित शिकायतों का हवाला देते हुए राज्य सूचना आयुक्तों के तीन अतिरिक्त पदों को भरने की मांग की थी। हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता सरकार में सिर्फ कमी ढूंढ रहे हैं। उन्होंने कहा, ₹वे हमेशा नकारात्मक रवैये के साथ आते हैं और कभी संतुष्ट नहीं होते।₹ कोर्ट ने आगे कहा कि आरटीआई अधिनियम में दूसरी अपीलों के लिए कोई समय सीमा नहीं है। उन्होंने फैसला सुनाते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि SIC इन शिकायतों का जल्द से जल्द निपटारा करेगी।

प्रियंका गांधी ने वायनाड से चुनाव जीतने में की धांधली?

- केरल हाईकोर्ट ने जारी किया समन

तिरुवनंतपुरम. केरल हाईकोर्ट ने भारतीय जनता पार्टी की नेता नव्या हरिदास द्वारा दायर एक चुनावी याचिका पर संज्ञान लेते हुए कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को समन जारी किया है। 2024 में प्रियंका गांधी ने वायनाड उपचुनाव में नव्या हरिदास को हराकर जीत दर्ज की थी। प्रियंका गांधी के खिलाफ दायर इस याचिका में नवंबर 2024 में हुए उपचुनाव के परिणामों को चुनौती दी गई है। इसमें प्रियंका और उनके परिवार पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

प्रियंका गांधी पर अपने परिवार की संपत्तियों के बारे में जानकारी छिपाने का आरोप लगाया गया है। याचिका के तहत वायनाड उपचुनाव में उनकी जीत को अमान्य घोषित करने की मांग भी की गई है। केरल उच्च न्यायालय के जस्टिस के बाबू ने याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रियंका गांधी को नोटिस जारी किया। याचिका में प्रियंका गांधी पर कथित भ्रष्ट आचरण और उनके पति रॉबर्ट वाड्रा की कई अचल संपत्तियों को छिपाने का आरोप भी लगाया गया है।

इसके अलावा याचिका के अनुसार, प्रियंका गांधी ने कथित तौर पर रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष दाखिल अपने हलफनामे में रॉबर्ट वाड्रा के कई निवेशों और चल संपत्तियों का विवरण छिपाया है। फिलहाल कोर्ट ने मामले की सुनवाई को अगस्त 2025 तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रायबरेली से चुनाव जीतने के बाद वायनाड सीट से इस्तीफा दे दिया था जिसके बाद 13 नवंबर को इस सीट के लिए उपचुनाव हुए थे। प्रियंका गांधी वाड्रा ने यह चुनाव 4,10,931 वोटों के अंतर से जीता था। नतीजे आने के बाद दिसंबर में नव्या हरिदास ने वायनाड लोकसभा उपचुनाव में प्रियंका गांधी की जीत को चुनौती देते हुए केरल हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

संक्षेप...

अज्ञात मृतक के वारिसों की तलाश

ठाणे. संतोष भुजरे अज्ञात मृतक उम्र लगभग 40 वर्ष निवासी टेंभी नाका 20 मई को बीमारी के कारण ठाणे कोर्ट के सामने फुटपाथ स्टेशन रोड ठाणे पश्चिम में सिविल अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। 7 जून को इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। अज्ञात मृतक का विवरण पतला शरीर, सांवला रंग, सीधी नाक, आंशिक रूप से खुली आंखें, काले और सफेद बाल, ऊंचाई 5 फीट 2 इंच, अस्पताल की शर्ट पहने हुए। उपरोक्त अज्ञात मृतक संतोष भुजरे के कोई वारिस या रिश्तेदार हैं, तो वह ठाणे नगर पुलिस स्टेशन से संपर्क करें.

नवी मुंबई के हाइड्रो वीड का मलेशिया कनेक्शन!

- मुख्य आरोपी चिचकर गिरफ्तार,
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफल कार्रवाई

⏭ नागमणि पांडेय

नवी मुंबई. नवी मुंबई में बहुचर्चित हाइड्रो वीड ड्रग मामले में मुख्य आरोपी नवीन चिचकर को आखिरकार मलेशिया से गिरफ्तार कर लिया गया है और अब उसे वापस भारत लाया गया है। उसे कोर्ट में पेश किए जाने पर पुलिस रिमांड में भेजे जाने की जानकारी सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) भाऊसाहेब ढोले ने दी।

एसीपी ढोले ने बताया कि 14 अप्रैल 2025 को नवी मुंबई पुलिस के एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड (एएनसी) ने नेरुल पुलिस स्टेशन में इस संबंध में मामला दर्ज किया था। गोपनीय जानकारी के आधार पर पता चला कि हाइड्रोपोनिक कैनबिस (हाइड्रो वीड) का भंडारण और बिक्री की जा रही थी। इस मामले में कुल 32 लोगों को आरोपी बनाया गया है, जिनमें से पुलिस 18 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफल रही है, जबकि बाकी 14 आरोपी अभी भी फरार हैं।

मुख्य आरोपी नवीन चिचकर

की गिरफ्तारी के बारे में एसीपी ढोले ने बताया कि हमें केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से जानकारी मिली थी कि आरोपी चिचकर मलेशिया में छिपा हुआ है। चूंकि यह जानकारी विश्वसनीय थी, इसलिए संबंधित एजेंसियों ने उसे वहां से गिरफ्तार कर लिया और भगोड़े के रूप में भारत भेज दिया।नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने भी चिचकर के खिलाफ स्वतंत्र जांच की थी। उस जांच के बाद उसे आज अदालत में पेश किया गया और नवी मुंबई पुलिस ने उसकी पुलिस हिरासत मांगी है ताकि और गहन जांच की जा सके।

शेष 14 फरार आरोपियों की तलाश जारी

ढोले ने कहा कि इस अपराध में शेष 14 फरार आरोपियों की तलाश के लिए एक विशेष टीम बनाई गई है और जल्द ही उनका पता लगा लिया जाएगा। नवी मुंबई पुलिस का मादक पदार्थ विरोधी अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा और इस मामले में पूरे नेटवर्क को बेनकाब करने का प्रयास जारी है। सूत्रों के अनुसार, आरोपी नवीन चिचकर उच्च शिक्षित है और उसने कुछ दिनों से सोशल मीडिया और व्हाट्सएप के माध्यम से सीधे नशे के आदी युवाओं तक 'हाइड्रो वीड' पहुंचाने का रैकेट खड़ा कर रखा था। इस मामले में कुछ और प्रमुख लोगों से पूछताछ होने की उम्मीद है। जांच एजेंसियां इस मामले में अपराधियों के वित्तीय लेन-देन की भी जांच कर रही हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार पूरे सिंडिकेट का वित्तीय नेटवर्क उजागर होने के बाद कई बड़े लोगों के नाम सामने आ सकते हैं।

गांजा का बड़ा स्टॉक जब्त

पुलिस ने इस मामले में अब तक 2 .50 से 3 .00 किलोग्राम हाइड्रो वीड और करीब 1 किलोग्राम पारंपरिक भारतीय गांजा जब्त किया है। बताया गया है कि इन ड्रग्स का इस्तेमाल विभिन्न इलाकों में बिक्री के लिए किया जा रहा था। एसीपी ढोले ने कहा, रइस गिरोह की पहुंच बहुत बड़ी है और हम अभी भी इस चेन के सुराग तलाश रहे हैं। इस मामले में अंतरराष्ट्रीय लिंक होने का संदेह है। साथ ही, चूंकि यह संभावना है कि इन ड्रग्स को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करके वितरित किया जा रहा है,

वरिष्ट पुलिस निरीक्षक के पास 3.48 करोड़ रुपए आय से अधिक संपति

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज

नवी मुंबई। नवी मुंबई उल्वे पुलिस ने एक वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक के खिलाफ 3.48 करोड़ रुपये की आय से अधिक संपत्ति के आरोप में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। संबंधित पुलिस अधिकारी सतीश एस. कदम के खिलाफ कार्रवाई की गई है, जो पहले एनआरआई सागरी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक थे और वर्तमान में उल्वे इलाके में रहते हैं।

राज्य भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा गहन जांच के बाद

पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई थी। उल्वे पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि 9 जून को सतीश एस. कदम के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। यह शिकायत एसीबी निरीक्षक द्वारा दर्ज की गई थी, जिसमें संबंधित अधिकारी के वित्तीय लेन-देन की गहन जांच की गई थी।

2013 से 2014 के बीच बेहिसाब संपत्ति किया जमा

एसीबी की जांच के अनुसार, दिसंबर 2013 से अक्टूबर 2024 के बीच कदम ने अपनी आधिकारिक आय से 297% अधिक संपत्ति अर्जित की है। उल्वे के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह पाया गया है कि इस अवधि के दौरान उन्होंने लगभग 3,48,40,279 रुपये की बेहिसाब संपत्ति अर्जित की है।

फिलहाल इस मामले में कदम को गिरफ्तार नहीं किया गया है। उल्वे पुलिस ने स्पष्ट किया कि हालांकि हमारे पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है, लेकिन पूरी जांच एसीबी को सौंप दी गई है। उनके द्वारा आगे की जांच जारी है। हालांकि संबंधित अधिकारी के वर्तमान पद का उल्लेख एफआईआर में नहीं किया गया है, लेकिन प्रारंभिक जांच से पता चला है कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध किया गया है, और तदनुसार कानूनी कार्रवाई की गई है।

मुंब्रा रेल दुर्घटना पर अपना पूर्वांचल महासंघ का फटकार

रेलवे की लापरवाही को बताया 'सिस्टम फेल्योर'

मुंबई. 9 जून को महाराष्ट्र के मुंब्रा में हुई दर्दनाक रेल दुर्घटना ने एक बार फिर मुंबई की लोकल ट्रेन व्यवस्था की खस्ताहाली को उजागर कर दिया है। इस हादसे में कई निर्दोष यात्रियों की जान गई, जबकि अनेक लोग गंभीर रूप से घायल हुए। इस हादसे को लेकर अपना पूर्वांचल महासंघ के अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक दुबे ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को एक तीखा पत्र लिखते हुए रेलवे प्रशासन की लापरवाही पर कड़ा सवाल उठाया है।

दुबे ने पत्र में पूछा है, "क्या सरकार की ज़िम्मेदारी केवल मुआवज़ा देकर खत्म हो जाती है? जिन परिवारों ने अपनों को खोया है, उनकी जवाबदेही कौन लेगा?" उन्होंने इसे मानव भूल नहीं, बल्कि

'सिस्टम फेल्योर' का नतीजा बताया, जो वर्षों से उपेक्षित और जर्जर हो चुकी लोकल ट्रेन प्रणाली का परिणाम है।

'आम जनता की जान की कीमत क्या कम है?'

पत्र में दुबे ने यह भी सवाल उठाया कि जब वातानुकूलित ट्रेनों में स्वचालित दरवाजों की सुविधा हो सकती है, तो वही सुरक्षा प्रणाली लोकल ट्रेनों में क्यों नहीं? "क्या मुंबई की करोड़ों आम जनता की जान की कीमत एसी कोच के यात्रियों से कम है?", ऐसा सवाल महासंघ ने उठाया है।

उन्होंने हादसे को "अघोषित हत्या" करार देते हुए कहा कि हर बार हादसे के बाद ही रेलवे प्रशासन रएक्टिव मोडर में आता है, जबकि रोजाना चल रही खस्ताहाल ट्रेनों, ओवरलोडिंग, और खुले दरवाजों से होने वाली दुर्घटनाओं को नजरअंदाज किया जाता है।

तकनीकी सुधारों की माँग – "अब नहीं तो कभी नहीं"

अपना पूर्वांचल महासंघ ने स्पष्ट रूप से मांग की है कि बिना किसी देरी के मुंबई की सभी लोकल ट्रेनों में स्वचालित दरवाजे अनिवार्य किए जाएं। विशेष रूप से टिटवाला, डोंबिवली, वसई, विरार, मीरा रोड, भायंदर, अंधेरी, चेंबूर, पनवेल और बेलापुर जैसे अधिक भीड़भाड़ वाले स्टेशनों पर प्राथमिकता से सुरक्षा उपाय लागू किए जाएं।

रेल मंत्री से की सुधारों की अपील

पत्र के अंत में अशोक दुबे ने रेल मंत्री से यह अपील की है कि वे इस दुर्घटना को महज एक हादसा न मानें, बल्कि इसे मुंबई की जीवनरेखा मानी जाने वाली लोकल ट्रेन व्यवस्था की सुरक्षा के अहम् सवाल के रूप में लें — और सुधारों की ठोस शुरुआत करें।

आयुक्त सौरभ राव ने जलजमाव इलाकों का दौरा कर निरीक्षण किया

ठाणे. मनपा आयुक्त सौरभ राव ने आज अधिकारियों के साथ शहर के जलजमाव इलाकों का निरीक्षण किया जहां बरसात में पानी जमा होता है। आयुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि भारी बरसात के दौरान निचले इलाकों में जमा होने वाले पानी के कारण नागरिकों को असुविधा न हो, इसके लिए उचित सावधानी बरती जाए। निचले इलाकों में जमा होने वाले पानी को पंपों की मदद से नालों में छोड़ने की कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सड़कों पर बने बरसाती नालों की फिर से सफाई की जानी चाहिए ताकि उनकी जल वहन क्षमता बढ़ सके।इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त (2) प्रशांत रोडे, उपायुक्त जी.जी.गोदापुरे, मनीष जोशी, शंकर पटोले, शंकर सांगले तथा कार्यपालन यंत्री उपस्थित थे। इस अवसर पर आयुक्त राव ने विटावा सबवे, पेढया मारुति क्षेत्र, मसुंदा तालाब, वंदना टॉकीज क्षेत्र, चिखलवाड़ी, भांजेवाड़ी, ज्ञान साधना

महाविद्यालय आदि निचले क्षेत्रों का निरीक्षण किया। विटावा सबवे पर 40 एचपी का पंप लगाया गया है, जिसका निरीक्षण आयुक्त ने किया तथा इस स्थान पर 24 घंटे दो कर्मचारियों की नियुक्ति की जाए। साथ ही आयुक्त ने मौसम विभाग की ओर से बरसात की चेतावनी तथा ज्वार के समय को देखते हुए इस स्थान पर पंप चालू रखने के निर्देश दिए। पेढया मारुति क्षेत्र में जमा हो रहे पानी को शीघ्र निकालने के लिए पंप लगाए गए हैं तथा क्रॉस कल्वर्ट की सफाई करने तथा बारिश के मौसम में उस स्थान पर 24 घंटे पंप को मैनपावर के साथ चालू रखने के निर्देश आयुक्त सौरभ राव ने दिए। वंदना एसटी डिपो के क्षेत्र में नगर निगम ने पंप उपलब्ध कराए हैं, जहां मानसून के दौरान पानी भर जाता है। उन्होंने भारी बारिश के दौरान उक्त स्थान पर नगर निगम के कर्मचारियों को रखने के निर्देश भी दिए। आयुक्त ने चिखलवाड़ी क्षेत्र में वर्तमान में स्थापित पंप का निरीक्षण किया। आयुक्त राव ने भारी बरसात के दौरान यहां के पंप पूरी क्षमता से संचालित हों, इसके लिए सतर्क रहने तथा नागरिकों के घरों में पानी न घुसे, इसके लिए सभी आवश्यक सावधानियां बरतने के निर्देश भी दिए।बरसात सीजन के लिए मनपा की पूरी व्यवस्था तैयार है।

ठाणे जिले में उत्साह के साथ होगा शाला प्रवेशोत्सव

ठाणे. अगर गौर किया जाए तो विद्यालय में विद्यार्थी का पहला प्रवेश शिक्षा का प्रथम संस्कार कहलाता है।शायद इस दृष्टिकोण से इस शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए 16 जून, 2025 को जिला परिषद, ठाणे के अंतर्गत आने वाले सभी प्राथमिक विद्यालयों में शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन किया गया है। इस सुखद पहल के माध्यम से नव प्रवेशित बच्चों का स्वागत सुखद और उत्साहवर्धक माहौल में किया जाएगा।ठाणे जिले में कुल 1 हजार 328 जिला परिषद विद्यालयों

में लगभग 71 हजार 324 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं और 3 हजार 279 शिक्षक उनका मार्गदर्शन कर रहे हैं। नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों में सकारात्मक ऊर्जा पैदा करने के लिए विभिन्न गतिविधियों की योजना बनाई गई है।

- प्रवेश लेने ववाले विद्यार्थियों का गुलाब के फूलों से स्वागत किया जाएगा।
- पहला कदम" पहल – पहली कक्षा के विद्यार्थियों के पदचिह्न लेकर अभिभावकों को दिए जाएँगे।
- सभी नए विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें, गणवेश, जूते-मोजे वितरित किए जाएँगे।
- मध्याह्न भोजन में मिठाई देकर पहले दिन को और अधिक मधुर बनाने की योजना है।
- सुबह प्रभातफेरी, ढोल, बैनर और तख्तियों के माध्यम से गाँव में जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाया जायेगा।
- 16 जून को माननीय मंत्री, जनप्रतिनिधि, जिला और तहसील स्तर के अधिकारी/कर्मचारी विद्यालयों का दौरा करेंगे और विद्यार्थियों का स्वागत करेंगे।
- इस संबंध में कल 12 जून 2025 को तहसील स्तर पर संपर्क अधिकारियों की बैठक भीआयोजित की गई है।

मुंबई में अब ऐप से गड्ढों की शिकायत

- बीएमसी ने `पोथोल क्विककफिक्स` किया लॉन्च

मुंबई : गड्ढों की शिकायतों और उनके त्वरित समाधान को कारगर बनाने के प्रयास में, बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने एक और मोबाइल एप्लिकेशन, पोथोल क्विककफिक्स लॉन्च किया है. यह एप्लिकेशन जून के पहले सप्ताह में लॉन्च किया गया था और अब यह मुंबई के सभी नागरिकों के लिए डाउनलोड के लिए उपलब्ध है.

बीएमसी आम तौर पर सोशल मीडिया और स्थानीय वार्ड कार्यालय के नियंत्रण कक्षों के माध्यम से नागरिकों द्वारा दर्ज की गई गड्ढों की शिकायतों की निगरानी करती है. हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में, नागरिक निकाय ने नागरिकों की शिकायतों को कारगर बनाने के प्रयास में अक्सर नए डिजिटल पोर्टल या मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किए हैं.

2019 में, बीएमसी ने `माई बीएमसी पोथोल फिक्सिट` नामक एक डिजिटल पोर्टल लॉन्च किया, जिसका उपयोग नागरिक निकाय द्वारा 2024 के मानसून सीजन के दौरान गड्ढों के बारे में शिकायत दर्ज करने में सक्षम बनाने के लिए भी किया गया था. 2014 में सड़कों की निगरानी के लिए 'एमसीजीएम 24X7' मोबाइल एप्लीकेशन शुरू की गई थी और 2011 में गड्ढों की शिकायतों के लिए नागरिकों से जुड़ने के लिए 'वॉयस ऑफ सिटिजन' डिजिटल पोर्टल शुरू किया गया था.

एक वरिष्ठ नागरिक अधिकारी ने कहा, "पुराने मोबाइल एप्लीकेशन या डिजिटल पोर्टल पुराने हो जाते हैं, इसलिए उन्हें संबंधित मानसून के दौरान इस्तेमाल करने के बाद हटा दिया जाता है. हमने नागरिकों से उपयोगकर्ता के अनुकूल सुविधाओं के बारे में लगातार फीडबैक भी लिया है और इन्हें योजनाओं में शामिल किया गया है."

तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी, उल्हासनगर यांचे न्यायालय, गांधी रोड, उल्हासनगर-5

दुरध्वनी क्र.: 02512530568 ई-मेलः tahulhasnagar@gmail.com

1) कन्हैयालाल मदनलाल पुरोहित अर्जदार
व्हिनस अपार्टमेंट, 1ला मजला, रुम नं. 1,
शीव रोड, साईबाबा मंदीर जवळ, उल्हासनगर 421001
विरुध्द
2) निबंधक, जन्म मृत्यू नोंदणी विभाग, सामनेवाला
उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर

तमाम जनतेस सदर नोटीसीव्दारे सुचीत करण्यात येते आहे के येणेप्रमाणे :

1. उपरोक्त अर्जदार कन्हैयालाल मदनलाल पुरोहित यांची/चा/चे मुलगा सुनिल कन्हैयालाल पुरोहित यांचा जन्म उल्हासनगर येथे दिनांक 25/07/1976 रोजी झालेला आहे. अर्जदाराकडून काही अपरिहार्य कारणामुळे तसेच अनावधनामुळे सदर जन्मची नोंद निबंधक जन्म/मृत्यू नोंदणी विभाग, उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर दप्तरी करुन जन्मंचा दाखला प्राप्त करुन घ्यावयाचा राहीला होता. अर्जदार यांना त्यांचे जन्म दाखल्याची आवश्यकता आहे.

2. उशीरा जन्म नोंदणी दाखला मिळणेसाठी मा. तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी, उल्हासनगर यांचेकडून आदेश प्राप्त करुन घ्यावयाचा असल्यामुळे सदर कार्यालयास किरकोळ अर्ज दावा क्र. 8 /2024 दाखल केला आहे.

3. सदर बाबत कोणत्याही व्यक्तीची कोणतीही हरकत असल्यास ही नोटीस प्रिसिध्द झाल्यापासून 15 दिवसाच्या आत सदर न्यायालयात दाखल करावी वरील मुदतीत कोणी योग्य हरकत न दाखल केल्यास अर्जदार यांना सदर कार्यालयातर्फे त्यांचा जन्म नोंदणीचा दाखला मिळणेकरीता आदेश करण्यात येईल.

आद दिनांक 11/06/2025 रोजी माझे सहीने व शिक्क्याने दिली.

हुकुमावरुन

शिक्का

सही/-
(कल्याणी कदम)
तहसीलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी.
उल्हासनगर

रश्मिका ने 7 घंटे तक कूड़े के ढेर में की शूटिंग

साउथ के एक्टर धनुष और रश्मिका मंदाना की अपकमिंग फिल्म 'कुबेरा' अनाउंसमेंट के वक्त से ही सुर्खियों में बनी हुई है। शेखर कम्मुला के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में धनुष सुपरस्टार नागार्जुन के साथ नजर आएंगे। धनुष ने मीडिया के साथ बातचीत में बताया कि फिल्म का एक सीन शूट करने के लिए उन्हें और रश्मिका को डंपयार्ड (कूड़े के विशाल ढेर) में 6-7 घंटे तक शूटिंग करनी पड़ी थी। धनुष फिल्म के सॉन्ग 'पिपी पिपी डम डम' की रिलीज के लिए आयोजित एक इवेंट का हिस्सा बने थे, जब उनसे फिल्म की शूटिंग से जुड़े किसी यादगार किस्से के बारे में पूछा गया।

इस सवाल के जवाब में धनुष ने कहा, 'रश्मिका को और मुझे कूड़े के ढेर में 6-7 घंटे तक शूटिंग करनी पड़ी।' धनुष ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए बताया कि शूटिंग के दौरान रश्मिका बिलकुल ठीक थीं। एक्टर ने कहा, 'रश्मिका को कोई दिक्कत नहीं हुई। उन्होंने कहा मुझे कोई स्मेल नहीं आ रही है।' हंसी मजाक के बाद धनुष ने गंभीर लहजे में बताया, 'मैं बहुत सी जगहों पर पढ़ता हूं कि लोग बताते हैं हमने मास्क पहनकर शूटिंग की थी, यह उतनी मुश्किल

बात नहीं थी। इसमें खास दिक्कत नहीं आई।'

धनुष ने कहा, 'लेकिन दुनिया का एक दूसरा हिस्सा देखना, जिससे आप कभी रूबरू नहीं हुए हैं... आप हमेशा ही अपने कम्फर्ट जोन में होते हैं। जहां आपको लगता है कि सब कुछ बहुत आरामदायक है। आप वो करते हैं जो आपके लिए सहज और सहूलियत भरा होता है। आप सुरक्षित होते हैं। कम से कम हम में से कुछ तो बहुत सुरक्षित हैं। मैं उन्हीं लोगों में से आता हूं। मुझे बहुत शालीन, सहज और जमीन से जुड़ी परवरिश मिली है। आज ऊपर वाले की कृपा से मैं यहां पर हूं।

स्कूटी सवार की मौत

नवी मुंबई। रिलायंस के सामने ऐरोली निवासी रमजान शेख मंगलवार को सुबह करीब 3 बजे अपने दोस्त सूरज माली के साथ दोपहिया वाहन पर सवार होकर जा रहा था। जब उनका दोपहिया वाहन पुल पर पहुंचा तो दो ट्रकों के बीच से दोपहिया वाहन को आगे बढ़ाने का प्रयास किया। ट्रक के पिछले हिस्से से टकराने के बाद रमजान दोपहिया वाहन से नियंत्रण खो बैठा और सड़क पर गिर गया। ट्रक का पहिया रमजान के ऊपर से गुजरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सूरज माली गंभीर रूप से घायल हो गया।

हाई-प्रोफाइल ड्रग्स फैक्ट्री केस में मास्टरमाइंड चिकना गिरफ्तार

मुंबई. पुलिस को रायगढ़ के कर्जत के फार्म हाउस में चल रही हाई-प्रोफाइल ड्रग्स फैक्ट्री केस में बड़ी सफलता मिली है. आरसीएफ पुलिस ने इस मामले के मास्टरमाइंड शकील मेमन उर्फ शकील चिकना को गिरफ्तार कर लिया है, जो पिछले महीने फैक्ट्री का भंडाफोड़ होने के बाद से फरार चल रहा था. गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया जहां उसे कोर्ट ने 20 जून तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है. पुलिस के अनुसार, चिकना ही इस ड्रग्स नेटवर्क का मास्टरमाइंड था. उसकी योजना के तहत कर्जत के सुनसान इलाकों में बंगले किराए पर लेकर वहां एमडी ड्रग्स बनाई जाती थी. हर महीने करीब 100 किलो ड्रग्स तैयार होती थी और हर तीन महीने में ठिकाना बदल दिया जाता था ताकि शक न हो.

शकील चिकना नवी मुंबई का निवासी है और अपने बेटे के साथ मिलकर पूरे ऑपरेशन को अंजाम देता था. तैयार ड्रग्स की सप्लाई मुंबई और दूसरे शहरों में फैले नेटवर्क के जरिए की जाती थी.

मुंबई की RCF पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया था जिसने फार्महाउस को ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री में बदल दिया था. इस गैंग ने फार्महाउस मालिक से बकरियां पालने के नाम पर फार्महाउस का 2 कमरा किराए पर लिया था जहां बाकायदा MD ड्रग्स बनाने का पूरा सेटअप किया गया था.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099